ISSN 0974 1666

सी.सी.आर.यू.एम.

न्यूज़लेटर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका

खंड 41 • अंक 4 अक्टूबर–दिसम्बर 2021

आयुष मंत्रियों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आयुष पवेलियन का दौरा किया

श्री सर्बानंद सोनोवाल, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, आयुष मंत्रालय तथा पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय और डा. मुंजपरा महेन्द्रभाई कालूभाई, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, आयुष मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने प्रगति मैदान में 40वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के आयुष पवेलियन में लगे केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.) के स्टाल का 23 नवंबर 2021 को दौरा किया।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय ने माननीय मंत्रियों का के.यू.चि.अ.प. के स्टॉल पर स्वागत किया

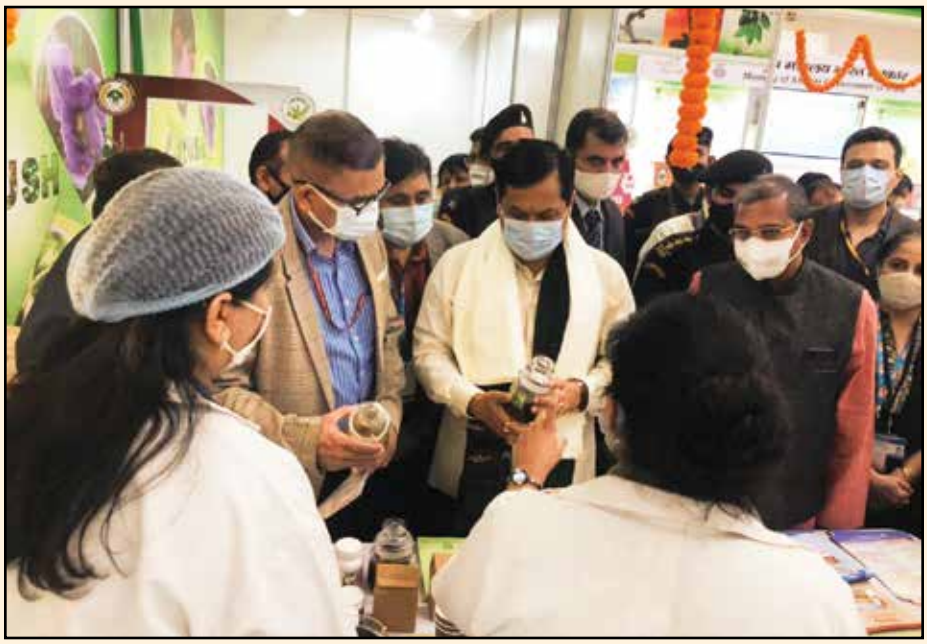

माननीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल और डॉ. मुंजपरा महेंद्रभाई कालूभाई 23 नवंबर 2021 को भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के आयुष पवेलियन में के.यू.चि.अ.प. स्टाल पर।

और स्टॉल पर उपलब्ध विभिन्न यूनानी न्यूट्रास्यूटिकल्स (आहार) जैसे गुलक़ंद, हलवा घीकवार, हरीरा (एक पौष्टिक अर्ध–ठोस यूनानी आहार), मुरब्बा आंवला और यूनानी कहवा के फ़ायदों के बारे में जानकारी दी।

माननीय मंत्रियों के साथ आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, आयुष मंत्रालय के विशेष सचिव श्री प्रमोद कुमार पाठक, आयुष मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार डॉ. धर्मेंद्र सिंह गंगवार और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

माननीय केंद्रीय आयुष मंत्रियों ने के.यू.चि.अ.प. द्वारा तैयार किए गए सभी यूनानी न्यूट्रास्यूटिकल्स (आहार) की सराहना की। उन्होंने कुछ यूनानी खाद्य पदार्थों का स्वाद भी लिया।

दोनों मंत्रियों ने पवेलियन में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, मंत्रालय के विभिन्न संस्थानों और अनुसंधान निकायों द्वारा लगाए गए विभिन्न आयुष स्टालों का दौरा किया और मेले में मौजूद विभिन्न पद्धतियों के स्वास्थ्य चिकित्सकों और लोगों से बातचीत की।

आयुष मंत्रालय ने स्वस्थ और पौष्टिक आहार को बढ़ावा देने के लिए कैंटीन में 'आयुष आहार' की शुरुआत की

आयुष मंत्रालय ने 03 जनवरी 2022 से आयुष भवन, नई दिल्ली में अपनी कैंटीन में 'आयुष आहार' की शुरुआत की। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किए गए 'आयुष आहार' में वेजिटेबल पोहा, भजनी वड़ा, गाजर का हलवा और कोकम ड्रिंक शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य स्वस्थ और पौष्टिक आहार को बढ़ावा देना है।

माननीय आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल और डॉ. मुंजपरा महेंद्रभाई कालूभाई ने 05 जनवरी 2022 को मंत्रालय कैंटीन का निरीक्षण कर आयुष आहार का स्वाद चखा। वैद्य राजेश कोटेचा, श्री प्रमोद कुमार पाठक, डॉ. मनोज नेसरी और प्रो. आसिम अली ख़ान भी मौके पर उपस्थित थे।

03 जनवरी 2022 को लॉन्च के बाद श्री सर्बानंद सोनोवाल, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, आयुष मंत्रालय तथा पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय और डॉ. मुंजपरा महेंद्रभाई कालूभाई, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, आयुष मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 05 जनवरी 2022 को कैंटीन का निरीक्षण किया और आयुष आहार का स्वाद चखा। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी वैद्य राजेश कोटेचा, श्री प्रमोद कुमार पाठक, डॉ. मनोज नेसरी और प्रो. आसिम अली ख़ान भी मौके पर उपस्थित थे।

●●●

के.यू.चि.अ.प. महानिदेशक ने यूनानी साहित्यक अनुसंधान संस्थान का दौरा किया

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने 09 नवंबर 2021 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली स्थित के.यू.चि.अ.प. के हकीम अजमल खाँ यूनानी चिकित्सा साहित्यिक एवं ऐतिहासिक अनुसंधान संस्थान का दौरा किया।

दौरे के दौरान प्रो. ख़ान ने संस्थान में चल रहे साहित्यक अनुसंधान, अरबी और फारसी यूनानी क्लासिकी पुस्तकों के अनुवाद, यूनानी साहित्य के संपादन, वैज्ञानिक तर्ज़ पर दस्तावेज़ों के संकलन, महत्वपूर्ण पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण और स्नोमेड–सीटी परियोजना आदि क्षेत्र में कार्यों का आंकलन किया। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों के दौरान कई महत्वपूर्ण अरबी और फारसी पुस्तकों का अनुवाद करने पर संस्थान की प्रशंसा की। उन्होंने फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन, रूसी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में यूनानी चिकित्सा आधारित दस्तावेज़ के प्रकाशन के लिए जामिया सहित अन्य संस्थानों के सहयोग से काम करने की सलाह दी।

अनुसंधान संस्थान के प्रभारी डॉ. मोहम्मद फज़ील ने जामिया परिसर में संस्थान के स्थानान्तरण के बाद की उपलब्धियों पर आधारित एक विस्तृत प्रस्तुति पेश की। उन्होंने संस्थान की साहित्यिक परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य में किए जाने वाले कार्यों के बारे में भी बताया। इस अवसर पर के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय से डॉ. गजाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–IV और डॉ. अमानुल्लाह, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–III एवं संस्थान के सभी अधिकारी उपस्थित थे।

●●●

के.यू.चि.अ.प. ने आईपीआर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.) ने राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 25 नवंबर 2021 को अपने राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (रा.त्व.रो.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद में "बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर)" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

श्री प्रमोद कुमार पाठक, विशेष सचिव, भारत सरकार, आयुष मंत्रालय ने समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने आयुष मंत्रालय के उद्देश्य और मंत्रालय द्वारा यूनानी चिकित्सा के समग्र विकास के लिए प्रदान किए गए सहयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से आयुष चिकित्सा पद्धतियों के क्षेत्र में नवाचारों पर पेटेंट प्राप्त करने के महत्व पर ज़ोर दिया।

प्रो. (डॉ.) एम. अफशार आलम, कुलपति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली संगोष्ठी के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने यूनानी चिकित्सा सहित भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की क्षमताओं और बौद्धिक संपदा अधिकारों में इनके संभावित अनुप्रयोगों पर ज़ोर दिया।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन में के.यू.चि.अ.प. के कामकाज का संक्षिप्त विवरण दिया और बौद्धिक संपदा अधिकारों के क्षेत्र में उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) द्वारा के.यू.चि.अ.प. को 17 पेटेंट प्रदान किए गए हैं और सात पेटेंट आवेदन आईपीओ के विचाराधीन हैं। उन्होंने यह भी बताया कि के.यू.चि.अ.प. और इसके अधीनस्थ संस्थानों में बौद्धिक संपदा से संबंधित गतिविधियों को और बेहतर करने के उपाय किए जा रहे हैं।

श्री प्रमोद कुमार पाठक, प्रो. (डॉ.) एम. अफशार आलम, प्रो. आसिम अली ख़ान, डॉ. वसीमुर रहमान और डॉ. अहमद मिन्हाजुद्दीन 25 नवंबर 2021 को रा.त्व.रो.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद में आईपीआर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के दौरान राष्ट्रगान गाते हुए।

संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि डॉ. वसीमुर रहमान, अतिरिक्त आयुक्त, आयकर विभाग, हैदराबाद ने आविष्कारकों के लिए एक आईपी रणनीति विकसित करने और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेटेंट प्राप्त करने के प्रयास करने पर ज़ोर दिया।

उद्घाटन सत्र में डॉ. अहमद मिन्हाजुद्दीन, उप निदेशक प्रभारी, रा.त्व.रो.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तूत किया। उन्होंने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला और संस्थान को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने का आश्वासन दिया। के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय की वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–IV और रा.त्व.रो.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद की नोडल अधिकारी डॉ. गज़ाला जावेद ने उद्घाटन समारोह की कार्यवाही का समन्वय किया। डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान अधिकारी (पैथोलोजी) वैज्ञानिक–IV, डॉ. उसामा अकरम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) और डॉ. साद अहमद, परामर्शदाता (यूनानी), के.यू.चि.अ.प. ने संगोष्ठी का समन्वय किया।

संगोष्ठी में विभिन्न संगठनों, शिक्षा संस्थानों और यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में शोध और विकास से जुड़े लगभग 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संगोष्ठी के तीन तकनीकी सत्रों में आईपीआर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कारपोरेशन, नई दिल्ली; राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा

प्रो. (डॉ.) एम. अफशार आलम, श्री प्रमोद कुमार पाठक और प्रो. आसिम अली ख़ान 25 नवंबर 2021 को आईपीआर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर रा.त्व.रो.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद में पौधारोपण करते हुए।

एवं अनुसन्धान संसथान, हैदराबाद; सीएसआईआर–भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद; सरकारी निज़ामिया तिब्बी कॉलेज, हैदराबाद; डॉ बी.आर.के.आर सरकारी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद और डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़, हैदराबाद, आदि संस्थानों के विशेषज्ञों ने संगोष्ठी को संभोधित किया।

संगोष्ठी ने शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, नियामकों, उद्योगों और छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों, नवाचारों और प्रथाओं की समझ विकसित करने और दुनिया भर में यूनानी चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान किया। ●●●

के.यू.चि.अ.प. ने स्वच्छता पखवाड़ा मनाया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.) ने मुख्यालय सहित देश भर के अपने संस्थानों में सफाई सुथराई और स्वच्छता से जुड़े मामलों पर गहन ध्यान केंद्रित करने के लिए अक्टूबर 16–31, 2021 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा मनाया।

स्वच्छता पखवाड़ा का उद्घाटन करते हुए प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने स्वच्छता पखवाड़ा के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान को नागरिक आंदोलन में बदलने के उद्देश्य से स्वच्छता गतिविधियों में नागरिकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से देश को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए एक साथ आगे आने का आग्रह किया।

के.यू.चि.अ.प. के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई में स्वच्छता अभियान का एक दृश्य।

पखवाड़े के दौरान के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय और देश भर में स्थित संस्थानों/इकाइयों में स्वच्छता अभियान चलाया गया और स्वच्छता एवं सफाई सुथराई में सुधार के उपाय किए गए। इसके अलावा कर्मचारियों के बीच सफाई सुथराई और स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, नारा लेखन, ड्राइंग, पेंटिंग और वेबिनार जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस के अतिरिक्त कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। ●●●

के.यू.चि.अ.प. ने अनुसंधान विधि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 11 नवम्बर 2021 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में अनुसंधान विधि पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प और सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में पधारने के लिए प्रो. नजमा अख्तर, कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली का धन्यवाद किया।

प्रो. ख़ान ने नैदानिक अनुसंधान, औषधि मानकीकरण, औषधीय पादप सर्वेक्षण एवं कृषि और साहित्यिक अनुसंधान में के.यू.चि.अ.प. की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और सहयोगी संस्थानों विशेष कर जामिया के योगदान का ज़िक्र किया। उन्होंने यूनानी चिकित्सा के क्लासिकि ग्रंथों और ज्ञान के संरक्षण, अनुवाद, प्रलेखन और पुनरुत्पादन के क्षेत्र में जामिया परिसर में स्थित हकीम अजमल खाँ इंस्टीट्यूट फॉर लिटरेरी एंड हिस्टोरिकल रिसर्च इन यूनानी मेडिसिन के योगदान का विशेष उल्लेख किया।

प्रो. ख़ान ने स्टैनफोर्ड की शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में जामिया के 16 शोधकर्ताओं के नाम आने की सराहना की और प्रो. नजमा अख्तर को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

प्रो. नजमा अख्तर ने अपने संबोधन के दौरान जामिया मिल्लिया इस्लामिया की ताज़ा उपलब्धियों के बारे में बताया, विशेष रूप से राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ)–2021 में देश के 'शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों' में छठा स्थान हासिल करने का उल्लेख किया।

प्रो. नजमा अख्तर ने प्रो. ख़ान के साथ अपने 25 वर्ष के गहरे लगाव का ज़िक्र किया और आशा व्यक्त की कि इस से दोनों के संस्थानों के शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के बीच विशेष रूप से एक–दूसरे के संगठन और बड़े पैमाने पर समाज की बेहतरी के लिए मज़बूत संबंध बनेगा।

उन्होंने यूनानी चिकित्सा की राष्ट्रीय और वैश्विक उपस्थिति का उल्लेख किया और के.यू.चि.अ.प. द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने विभिन्न शोध कार्यक्रमों के माध्यम से हासिल की गई उपलब्धियों के लिए प्रो. आसिम अली ख़ान और उनकी टीम की सराहना की।

प्रो. अख्तर और प्रो. ख़ान ने दोनों संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा की। आने वाले दिनों में दोनों अनुसंधान के बहुआयामी क्षेत्र में काम को आगे बढ़ाने और दोनों संगठनों में उपलब्ध विशेषज्ञता से अधिकतम लाभ उठाने के लिए बैठक की श्रृंखला आयोजित करेंगे।

प्रो. नजमा अख्तर और प्रो. ख़ान ने महसूस किया कि के.यू.चि.अ.प. और जामिया मिल्लिया इस्लामिया अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों से संबंधित पारस्परिक रूप से सहमत क्षेत्रों में कुछ स्थायी और टिकाऊ तंत्र द्वारा मौजूदा सहयोग को अधिक संरचित तरीके से

डॉ. आर. के. मनचंदा, आयुष निदेशक, दिल्ली सरकार, प्रो. नजमा अख्तर, कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और डॉ. मुख्तार अहमद क़ासमी, संयुक्त सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय 11 नवंबर 2021 को नई दिल्ली में अनुसंधान विधि पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के दौरान।

आगे बढ़ा सकते हैं।

मीडिया से बात करते हुए प्रो. अख्तर और प्रो. ख़ान दोनों ने के.यू.चि.अ.प. और जामिया द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और महसूस किया कि कई बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान खोजने के लिए पारंपरिक चिकित्सा और हर्बल विज्ञान में अनुसंधान की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. आर. के. मनचंदा, निदेशक (आयुष), दिल्ली सरकार ने अनुसंधान विधि के महत्व पर प्रकाश डाला और यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में के.यू.चि.अ.प. के योगदान की सराहना की।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सलाहकार (यूनानी) डॉ. मुख्तार अहमद कासमी ने कहा कि आयुष मंत्रालय के सहयोग से के.यू.चि.अ.प. ने सराहनीय कार्य किए हैं।

संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र डॉ. गज़ला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–IV, के.यू.चि.अ.प. द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ।

संगोष्ठी में दो तकनीकी सत्र थे जिस में डॉ. जुगल किशोर, प्रमुख, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, प्रोफेसर के.एम.वाई अमीन, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, प्रो. मनीष गोयल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, डॉ. शेखर ग्रोवर, मौलाना आजाद दंत चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और डॉ. तनु आनंद, वैज्ञानिक–डी, आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली ने व्याख्यान दिए।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जामिया हमदर्द, आयुर्वेद एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज, दिल्ली विश्वविधालय, एमिटी विश्वविधालय और अन्य शोध और शैक्षणिक संस्थानों के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों के साथ–साथ के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय और संस्थानों के शोधकर्ताओं ने संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान अधिकारी वैज्ञानिक–IV, डॉ. उसमा अकरम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) और डॉ. साद अहमद, परामर्शदाता (यूनानी), के.यू.चि.अ.प. ने संगोष्ठी का समन्वय किया और डॉ. निगहत अंजुम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–III ने संगोष्ठी की कार्यवाही का संचालन किया। ●●●

के.यू.चि.अ.प. ने पुरानी फाइलों की छटनी के लिए विशेष अभियान चलाया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने शनिवार, 16 अक्टूबर 2021 को पुरानी फाइलों की समीक्षा और उन्हें हटाने के लिए एक विशेष अभियान का आयोजन किया। यह अभियान आयुष मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छ भारत अभियान का एक हिस्सा था।

इस अभियान के अंतर्गत शनिवार को के.यू.चि.अ.प. कार्यालय खोला गया और पुरानी फाइलों की समीक्षा की गई और अनावश्यक फाइलों को अलग किया गया ताकि फाइलों का बोझ कम हो सके। जिन कार्यों को तत्काल हल किया जा सकता था उन्हें किया गया और अनावश्यक फाइलों को हटा दिया गया।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार के रिकॉर्ड प्रतिधारण अनुसूची का सख़्ती से पालन करते हुए आयुष मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार पुरानी फाइलों की समीक्षा और अनावश्यक फाइलों को हटाने का विशेष अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया पूरे माह जारी रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि अभिलेखों की समीक्षा की गई ताकि तथ्यों को न तो समय से पहले नष्ट किया जा सके और न ही आवश्यक समय सीमा से अधिक रखा जा सके। उन्होंने कहा कि परिषद "स्वच्छ भारतः सुरक्षित भारत" को बढ़ावा देने के लिए अपने मुख्यालय समेत देश भर के सभी केंद्रों/इकाइयों में स्वच्छ भारत अभियान चला रही है। ●●●

के.यू.चि.अ.प. में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2021 के दौरान मुख्यालय सहित अपने सभी संस्थानों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया।

"स्वतंत्र भारत@75: सत्यनिष्ठा से आत्म निर्भरता" पर आधारित इस सप्ताह को स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने के अन्तर्गत आम जनता के जीवन में सत्यनिष्ठा और एकजुटता हासिल करके आत्मनिर्भर भारत के नए युग का मार्ग प्रशस्त करने के प्रयास के रूप में मनाया गया।

इस अभियान का उद्देश्य हर स्तर पर भ्रष्टाचार को रोकने और सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों तथा आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करना था।

के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. द्वारा कोविड–19 दिशानिर्देशों का पालन करते हुए मुख्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को दिलाई गई सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा के साथ हुई। सभी अधिकारियों ने नैतिक व्यवसाय प्रथाओं और ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। उन्होंने पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता के आधार पर अच्छे प्रशासन के लिए प्रतिबद्ध होने का वचन दिया। उन्होंने घोषणा की कि वह ना तो रिश्वत लेंगे और ना ही रिश्वत देंगे और भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की सूचना उपयुक्त एजेंसी को देंगे।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली में सत्यनिष्ठा शपथ दिलाते हुए।

जागरूकता सप्ताह के दौरान मुख्य विषय से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन डॉ. नाहीद परवीन, सहायक निदेशक (यूनानी) और मुख्य सतर्कता अधिकारी, के.यू.चि.अ.प. की देखरेख में किया गया। गतिविधियों में वेबिनार, वाद–विवाद और निबंध लेखन इत्यादी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ●●●

फार्माकोविजिलेंस पर वेबिनार का आयोजन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने पेरिफेरल फार्माकोविजिलेंस सेंटर (पीपीवीसी) के रूप में 12 नवंबर 2021 को 'आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के फार्माकोविजिलेंस पर जागरूकता कार्यक्रम' पर गूगल मीट के माध्यम से एक वेबिनार का आयोजन किया।

वेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ. मुहम्मद नफीस खान, उप निदेशक, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने औषध सतर्कता कार्यक्रम के उद्देश्यों और आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के गुणवत्ता नियंत्रण के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. तारिक महमूद, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ और डॉ. मोहम्मद अलीमुद्दीन क़मरी, राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान, बेंगलुरु ने आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के फार्माकोविजिलेंस पर अपने व्याख्यान दिए और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी और रिपोर्टिंग के महत्व पर ज़ोर दिया।

वेबिनार में देश के विभिन्न हिस्सों से चिकित्सकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, फार्मासिस्टों, नर्सों के साथ–साथ छात्रों और आयुष हितधारकों सहित आयुष चिकित्सकों ने भाग लिया। ●●●

के.यू.चि.अ.प. ने आयुर्वेद पर्व में भाग लिया

के.यू.चि.अ.प. ने अपने क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, पटना के माध्यम से अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस (एआईएसी) और बिहार आयुर्वेदिक कांग्रेस द्वारा इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, राजगीर, बिहार में 11–13 दिसंबर 2021 के दौरान आयोजित आयुर्वेद पर्व में भाग लिया। इस कार्यक्रम को आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और राज्य आयुष सोसायटी, बिहार द्वारा समर्थित किया गया था।

श्री नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार राजगीर, बिहार में आयुर्वेद पर्व का उद्घाटन करते हुए। श्री मंगल पांडे, वैद्य राजेश कोटेचा, वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा और वैद्य जयंत देवपुजरी भी मौजूद हैं।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार ने श्री मंगल पांडे, माननीय स्वास्थ्य मंत्री, बिहार सरकार, वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, वैद्य जयन्त देवपुजारी, अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग और वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा, अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद कांग्रेस की उपस्थिति में किया। कार्यक्रम में आयुष स्टालों का उद्घाटन भी श्री नीतीश कुमार ने किया।

के.यू.चि.अ.प. ने कार्यक्रम के दौरान एक प्रदर्शनी और क्लिनिक का आयोजन किया। के.यू.चि.अ.प. की उपलब्धियों को दर्शाने वाले ट्रांसलाइट्स के प्रदर्शन के माध्यम से गतिविधियों और अनुसंधान में प्रगति को उजागर करने के अलावा आगंतुकों के बीच आईईसी सामग्री का वितरण किया गया। क्लिनिक में तैनात चिकित्सकों ने विभिन्न बीमारियों के रोगियों को मुफ्त परामर्श और उपचार प्रदान किया। डॉ. राजेश, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), डॉ. मंज़र आलम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) और टीम ने इस आयोजन में के.यू.चि.अ.प. की भागीदारी का प्रबंधन किया। ●●●

पंजीकरण सं. 34691/80

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, की आधिकारिक त्रैमासिक पत्रिका है। यह हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में एक साथ प्रकाशित होती है। इसमें विशेषतः केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् से संबंधित समाचार होते हैं। यह ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए मुफ़्त उपलब्ध है जो यूनानी चिकित्सा पद्धति के विकास में दिलचस्पी रखते हैं।* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *में प्रकाशित सामग्री को* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *के आभार के साथ, इस शर्त पर प्रकाशित किया जा सकता है कि वह प्रकाशन व्यापारिक उद्देश्यों से न किया जाये।*

मुख्य संपादक
प्रो. आसिम अली ख़ान

कार्यकारी संपादक
मोहम्मद नियाज़ अहमद

संपादकीय समिति
नाहीद परवीन
गज़ाला जावेद
जमाल अख़्तर
शबनम सिद्दीक़ी

संपादकीय कार्यालय
केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद
61–65, इंस्टीटयूशनल एरिया, समुख 'डी' ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली–110 058

दूरभाषः +91–11–28521981, 28525982
फैक्सः +91–11–28522965
ई–मेलः unanimedicine@gmail.com
rop.ccrum@gmail.com
वेबसाइटः https://ccrum.res.in

मुद्रणः रैक्मो प्रैस प्रा. लि.
सी–59, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1
नई दिल्ली–110020

ISSN 0974 1666

CCRUM newsletter

A Quarterly Bulletin of Central Council for Research in Unani Medicine

Volume 41 • Number 4 October–December 2021

Ayush Ministers visit Ayush pavilion in 40th IITF

Shri Sarbananda Sonowal, Hon'ble Union Cabinet Minister of Ayush and Ports, Shipping & Waterways and Dr. Munjpara Mahendrabhai Kalubhai, Hon'ble Union Minister of State for Ayush and Women & Child Development visited the stall of the Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) at Ayush Pavilion in the 40th India International Trade Fair at Pragati Maidan, New Delhi on November 23, 2021.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM & Adviser (Unani), Ministry of Ayush, Government of India welcomed Hon'ble Ministers and briefed about the benefits of various Unani nutraceutical preparations like *Gulqand, Halwa Gheekwar, Harira* (a nutritious semisolid Unani preparation), *Murabba Amla* and *Unani Qahwa* available at the CCRUM stall.

Hon'ble Ministers Shri Sarbananda Sonowal and Dr. Munjpara Mahendrabhai Kalubhai along with Prof. Asim Ali Khan at CCRUM stall in the Ayush pavilion at IITF on November 23, 2021.

Hon'ble Ministers were accompanied by Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of Ayush, Shri Pramod Kumar Pathak, Special Secretary, Ministry of Ayush, Dr. Dharmendra Singh Gangwar, Additional Secretary & Financial Adviser, Ministry of Ayush and other senior officers of the Ministry of Ayush, Government of India.

Hon'ble Union Ministers of Ayush appreciated all the Unani nutraceuticals (Aahaars) prepared by the CCRUM. They also tasted few Unani food items.

Both the Ministers inspected the arrangements at the pavilion, visited various Ayush stalls put up by different institutes and research bodies under the ministry and interacted with health practitioners of various streams and people who were present at the fair.

Ayush ministry introduces 'Ayush Aahaar' in canteen to promote healthy & nutritional diets

The Ministry of Ayush introduced 'Ayush Aahaar' at its canteen in Ayush Bhawan, New Delhi from January 03, 2022. Started as a pilot project, the 'Ayush Aahaar' includes *Vegetable Poha, Bhajani Vada, Gajar Ka Halwa* and *Kokum* Drink.

Hon'ble Ayush Ministers Shri Sarbananda Sonowal and Dr. Munjpara Mahendrabhai Kalubhai inspected the Ayush canteen on January 05, 2022 and tasted Ayush Aahaar. Vaidya Rajesh Kotecha, Shri Pramod Kumar Pathak, Shri D. Senthil Pandiyan, Dr. Manoj Nesari and Prof. Asim Ali Khan were also present.

After the launch of the initiative which aims to promote healthy and nutritional diets on January 03, 2022, Shri Sarbananda Sonowal, Hon'ble Union Cabinet Minister of Ayush and Ports, Shipping & Waterways and Dr. Munjpara Mahendrabhai Kalubhai, Hon'ble Union Minister of State for Ayush and Women & Child Development inspected the canteen on January 05, 2022 and tasted Ayush Aahaar. Senior officers of the ministry Vaidya Rajesh Kotecha, Shri Pramod Kumar Pathak, Shri D. Senthil Pandiyan, Dr. Manoj Nesari and Prof. Asim Ali Khan were also present.

DG, CCRUM visits HAKILHRUM

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM visited Hakim Ajmal Khan Institute for Literary and Historical Research in Unani Medicine (HAKILHRUM) located at Jamia Millia Islamia, New Delhi on November 09, 2021.

During his visit, Prof. Khan reviewed progress of the institute in the area of literary research, translation of Arabic/Persian Unani classical books, editing of Unani literature, compilation of documents on scientific lines, digitization of important manuscripts, SNOMED-CT project, etc. He praised the role of the institute in bring out various Arabic and Persian texts during the past few years. He advised to collaborate with various institutions including Jamia Millia Islamia for publication of documents on Unani Medicine in French, Spanish, Germen, Russian, Arabic and Persian languages. Prof. Khan also visited clinical facility and regimenal therapy section of the institute.

Dr. Mohammad Fazil, Incharge of the institute presented a detailed presentation highlighting the achievements during the last five years particularly after colocation of the institute in the Jamia Millia Islamia campus. Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV and Dr. Amanullah, Research Officer (Unani) Scientist-III from CCRUM headquarters and all the officers from the institute were present on the occasion.

CCRUM organizes national seminar on IPR

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), in collaboration with the National Medicinal Plants Board (NMPB), Ministry of Ayush, Government of India, organized National Seminar on Intellectual Property Rights (IPR) at its National Research Institute of Unani Medicine for Skin Disorders (NRIUMSD), Hyderabad on November 25, 2021.

Shri Pramod Kumar Pathak, Special Secretary to the Government of India, Ministry of Ayush presided over the function. He highlighted the mandate of the Ministry of Ayush and support provided for overall development of Unani Medicine. He stressed the importance of obtaining patents particularly for innovations in the field of Ayush systems.

Prof. (Dr.) M. Afshar Alam, Vice Chancellor, Jamia Hamdard, New Delhi, the chief guest on the occasion, emphasized the potential of Unani Medicine as well as other Indian traditional systems of medicine, and their possible applications in intellectual property rights.

Speaking on the occasion, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM gave a brief overview of the functioning of the CCRUM and highlighted its achievements in the area of intellectual property rights. He informed that the CCRUM has been granted 17 patents by the Indian Patent Office (IPO), and seven patent applications are under consideration of the IPO. He also informed that measures are being taken to further strengthen activities related to IPR at the CCRUM headquarters and its peripheral institutes.

Shri Pramod Kumar Pathak, Prof. (Dr.) M. Afshar Alam, Prof. Asim Ali Khan, Dr. Waseem ur Rehman, and Dr. Ahmad Minhajuddin singing notational anthem during the inaugural session of National Seminar on IPR at NRIUMSD, Hyderabad on November 25, 2021.

Dr. Waseem ur Rehman, Additional Commissioner, Income Tax Department, Hyderabad urged the CCRUM to evolve an IP strategy for inventors and make efforts for obtaining patents at the national and international levels.

Dr. Ahmed Minhajuddin, Deputy Director Incharge, NRIUMSD, Hyderabad shed light on various activities of the institute and assured to take the institute to greater heights. Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV at CCRUM headquarters and nodal officer for NRIUMSD, Hyderabad coordinated the proceedings of the inaugural event. Dr. Pawan Kumar, Research Officer (Pathology) Scientist-IV and his associates Dr. Usama Akram, Research Officer (Unani) and Dr. Saad Ahmed, Consultant (Unani), CCRUM coordinated the seminar.

Around 200 delegates from academia, industry, regulators and researchers in the field of Unani Medicine from various organisations participated in the seminar. The seminar covered various aspects of IPR and related issues in three technical sessions which had invited experts from various institutions like National Research Development Corporation, New Delhi; National Institute of

Prof. (Dr.) M. Afshar Alam with Shri Pramod Kumar Pathak and Prof. Asim Ali Khan while planting a sapling on the occasion of National Seminar on IPR at NRIUMSD, Hyderabad on November 25, 2021.

Pharmaceutical Education and Research, Hyderabad; CSIR-Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad; Government Nizamia Tibbi College, Hyderabad; Dr. BRKR Govt. Ayurvedic Medical College, Hyderabad; Dr. Reddy's Laboratories, Hyderabad, etc.

The seminar provided a platform to academia, researchers, regulators, industries and students to develop an understanding of intellectual property rights, innovations and practices, and promoting Unani Medicine across the globe.

Swachhata Pakhwada observed

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) observed Swachhata Pakhwada at its headquarters and institutes across the country with the objective of bringing a fortnight of intense focus on the issues and practices of sanitation, cleanliness and hygiene during October 16-31, 2021.

Inaugurating the activities, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and Adviser (Unani), Ministry of Ayush, Government of India highlighted the aims of Swachhta Pakhwada. He said that efforts are made to ensure maximum participation of citizens in Swachhta activities with the aim to transform Swachh Bharat Mission into a citizen's movement. He appealed to people to come together to make the country clean and hygienic.

Swachhata Abhiyan at CCRUM's Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai.

During the fortnight, an intense drive for cleanliness and improvement of sanitation was undertaken at the CCRUM headquarters and institutes / units throughout the country. Besides, various competitions like debate, quiz, essay writing, slogan writing, drawing, painting and webinar were organized to create awareness about cleanliness, sanitation and hygiene among the employees. The winners of the competitions were presented prizes and certificates. Plantation at office premises was also undertaken.

CCRUM organises national seminar on research methodology

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of Ayush, Government of India organized National Seminar on Research Methodology at India Habitat Centre, New Delhi on November 11, 2021.

Speaking on the occasion, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and Adviser (Unani), Ministry of Ayush, Government of India thanked Prof. Najma Akhtar, Vice Chancellor, Jamia Millia Islamia, New Delhi for gracing the occasion as the chief guest. Prof. Khan elaborated upon the achievements of the CCRUM in the area of clinical research, drug standardization, survey and cultivation of medicinal plants and literary research and highlighted the contributions of collaborating institutes. He made a special mention of the contributions of Jamia-based Hakim Ajmal Khan Institute for Literary and Historical Research in Unani Medicine in preservation, translation, documentation and reproduction of classical texts and knowledge of Unani Medicine.

Prof. Khan also appreciated featuring of 16 researchers from Jamia MIllia Islamia in Stanford list of top scientists and congratulated Prof. Najma Akhtar for this achievement under her leadership.

Prof. Najma Akhtar during her address informed about the recent accolades bestowed on Jamia Millia Islamia, especially securing sixth rank among the 'Top 10 Universities' of the country in the National Institutional Ranking Framework (NIRF)-2021.

Prof. Najma Akhtar also recalled her close and cordial association of more than 25 years with Prof. Asim Ali Khan and was hopeful that this association would lead to strong interactions between academia and researchers of their institutions for the betterment of each other's organisation in particular and society at large.

She acknowledged the national and global presence of Unani Medicine and expressed her appreciation for the work done by the CCRUM. She lauded Prof. Asim Ali Khan and his team for the commendable milestones achieved through various research programmes.

Prof. Akhtar and Prof. Khan also had detailed discussions on strengthening collaborations between the two institutes. In the coming days, both the leaders plan to have a series of meetings to take forward the work in multifaceted area of research and reaping maximum benefit from the expertise available in both the organisations.

Prof. Najma Akhtar and Prof. Khan felt that the CCRUM and Jamia Millia Islamia can carry forward the existing association

Dr. R. K. Manchanda, Director of Ayush, Govt. of NCT of Delhi, Prof. Najma Akhtar, Vice Chancellor, Jamia Millia Islamia, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and Dr. Mukhtar Ahmad Qasmi, Joint Adviser (Unani), Ministry of Ayush during the inaugural function of National Seminar on Research Methodology in New Delhi on November 11, 2021.

in a more structured manner by some permanent and sustainable mechanism in the mutually agreed areas related to academic and research activities.

While responding to the media, both Prof. Akhtar and Prof. Khan appreciated the efforts done by the CCRUM and JMI and felt that there is a need for research in Traditional Medicine and herbal sciences for finding solutions to various healthcare challenges.

Dr. R. K. Manchanda, Director of Ayush, Govt. of NCT of Delhi highlighted the importance of research methodology and appreciated contributions of the CCRUM in the area of research and development in Unani Medicine.

Dr. Mukhtar Ahmad Qasmi, Joint Adviser (Unani), Ministry of Ayush, Government of India said that with the support and patronage of the Ministry of Ayush, the CCRUM has done commendable work.

The inaugural session of the seminar concluded with vote of thanks proposed by Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV, CCRUM.

The seminar had two technical sessions during which lectures were delivered by Dr. Jugal Kishore, Head, Department of Community Medicine, Safdarjung Hospital, New Delhi, Prof. K. M. Y. Amin, Aligarh Muslim University, Aligarh, Prof. Manish Goel, Lady Hardinge Medical College, New Delhi, Dr. Shekhar Grover, Maulana Azad Institute of Dental Sciences, New Delhi and Dr.Tanu Anand, Scientist-D, Indian Council of Medical Research, New Delhi.

Scientists, academicians, researchers and students from Jamia Millia Islamia, Jamia Hamdard, A&U Tibbia College, Delhi University, Amity University and other research and academic institutions as well as researchers from the CCRUM headquarters and institutes participated in the seminar.

Dr. Pawan Kumar, Research Officer (Pathology) Scientist-IV and his associates Dr. Usama Akram, Research Officer (Unani) and Dr. Saad Ahmed, Consultant (Unani), CCRUM coordinated the seminar and Dr. Nighat Anjum, Research Officer (Unani) Scientist-III conducted the seminar proceedings.

●●●

CCRUM organizes special campaign to weed out old files

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of Ayush, Government of India organized a special campaign to review and weed out old files on Saturday, October 16, 2021. The campaign was a part of Clean India Drive by the Ministry of Ayush.

For this campaign, the CCRUM office was opened on Saturday and old files were reviewed and unnecessary files were separated so that the burden of files could be reduced. The tasks which could be resolved immediately were done and the files no longer needed were weeded out.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and Adviser (Unani), Ministry of Ayush said that the special campaign to review and weed out old files was run as per the directives of the Ministry of Ayush with strict adherence to the Government of India's Record Retention Schedule. He informed that this process would continue throughout the month. He further said that the records have been reviewed so that the facts are neither destroyed prematurely nor kept beyond the required time limit. He said that the CCRUM is running Clean India Drive at the headquarters and all its peripheral centres/units to promote "Clean India: Safe India".

●●●

Vigilance Awareness Week observed

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of Ayush, Government of India observed Vigilance Awareness Week during October 26–November 01, 2021 at its headquarters as well as all the peripheral institutes.

Themed on 'Independent India @ 75: Self Reliance with Integrity', the week was observed as an effort to celebrate 75 years of the Independence of India by securing the integrity and togetherness in the life of general public to pave the way for the new age of self-reliant India. The campaign sought to create awareness among the employees as well as general public to check corruption and promote integrity at every level.

The Vigilance Awareness Week at the CCRUM headquarters commenced with the integrity pledge administered by Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM to all the officers and staff of the CCRUM headquarters following Covid-19 guidelines. All the officials pledged to promote ethical business practices and foster a culture of honesty and integrity. They further pledged to commit to good corporate governance based on transparency, accountability and fairness. They declared that they would neither take nor offer bribe and report any incident of corruption to the appropriate agency.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM administering integrity pledge to mark Vigilance Awareness Week at CCRUM headquarters, New Delhi.

During the week, various activities related to the main theme were organized under the supervision of Dr. Naheed Parveen, Assistant Director (Unani) and Chief Vigilance Officer, CCRUM. The activities included webinar, debate and essay writing competitions. The participants of the competitions were felicitated with prizes and certificates.

Webinar on pharmacovigilance

The Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow as the Peripheral Pharmacovigilance Cenre (PPvC) organized a webinar on 'Awareness Programme on Pharmacovigilance of ASU&H Drugs' on November 12, 2021 through Google Meet.

Addressing the webinar, Dr. Muhammad Nafees Khan, Deputy Director, CRIUM, Lucknow highlighted the objectives of the pharmacovlgilance programme and significance of quality control of Ayurveda, Siddha, Unani and Homoeopathy drugs.

Dr. Tarique Mahmood, Integral University, Lucknow and Dr. Md. Aleemuddin Qumari, National Institute of Unani Medicine, Bengaluru delivered their lectures on the pharmacovigilance of ASU drugs and emphasized the importance of adverse drug reaction monitoring and reporting.

Ayush professionals including practitioners, academicians, researchers, pharmacists, nurses as well as students and Ayush stakeholders form different parts of the country attended the webinar.

Participation in Ayurveda Parv

The CCRUM through its Regional Research Institute of Unani Medicine, Patna participated in Ayurveda Parv organized by All India Ayurvedic Congress (AIAC) and Bihar Ayurvedic Congress at International Convention Centre, Rajgir, Bihar during December 11–13, 2021. The event was supported by the Ministry of Ayush, Government of India and State Ayush Society, Bihar.

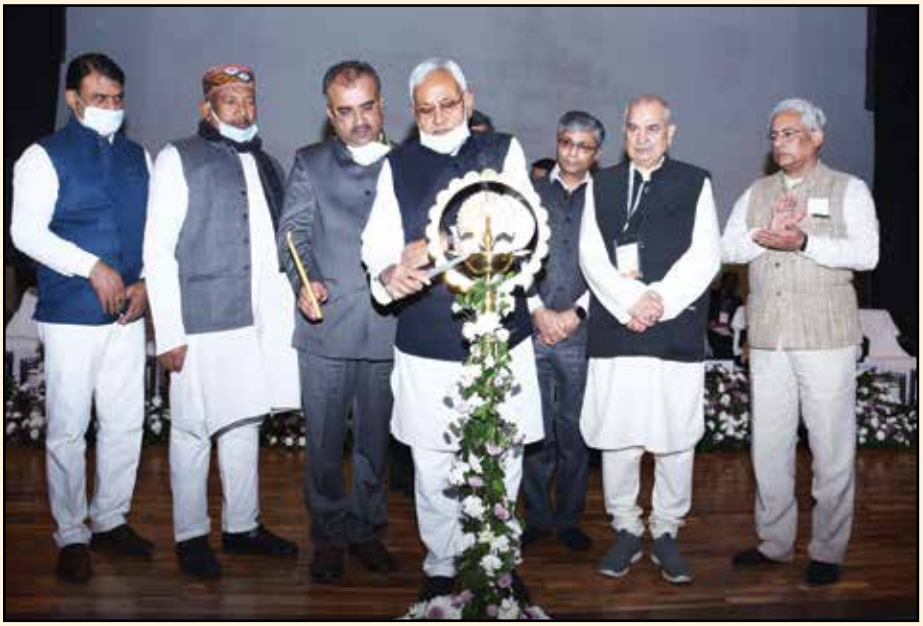

Shri Nitish Kumar, Hon'ble Chief Minister, Government of Bihar inaugurating Ayurveda Parv at Rajgir, Bihar. Shri Mangal Pandey, Vaidya Rajesh Kotecha, Vaidya Devendra Triguna and Vaidya Jayant Deopujari are also seen.

The parv was inaugurated by Shri Nitish Kumar, Hon'ble Chief Minister, Government of Bihar in the august presence of Shri Mangal Pandey, Hon'ble Health Minister, Government of Bihar, Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of Ayush, Government of India, Vaidya Jayant Deopujari, Chairman, National Commission for Indian System of Medicine and Vaidya Devendra Triguna, President, International Ayurveda Congress. The Ayush stalls in the event were also inaugurated by Shri Nitish Kumar.

The CCRUM organized an exhibition and clinic during the event. Besides highlighting the activities and progress in research through display of translites showing CCRUM's achievements, IEC materials were distributed among the visitors. The physicians deployed at the clinic provided free consultation and treatment to the patients of different ailments. Dr. Rajesh, Research Officer (Unani), Dr. Manzar Alam, Research Officer (Unani) and team managed CCRUM's participation in the event.

Registration No. 34691/80

About CCRUM Newsletter

The CCRUM Newsletter *is a quarterly official bulletin of the Central Council for Research in Unani Medicine – an autonomous organization of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India. It is published bilingually in Hindi and English and contains news chiefly about the works and activities of the CCRUM. It is free of charge to individuals as well as to organizations interested in the development of Unani Medicine. Material published in the bulletin may be reproduced provided credit is given to the* CCRUM Newsletter *and such reproduction is not used for commercial purposes.*

Editor-in-Chief
Asim Ali Khan

Executive Editor
Mohammad Niyaz Ahmad

Editorial Board
Naheed Parveen
Ghazala Javed
Jamal Akhtar
Shabnam Siddiqui

Editorial Office
CENTRAL COUNCIL FOR
RESEARCH IN UNANI MEDICINE
61-65, Institutional Area,
Janakpuri, New Delhi - 110 058

Telephone : +91-11-28521981, 28525982
Fax : +91-11-28522965
E-mail: unanimedicine@gmail.com
rop.ccrum@gmail.com
Website: https://ccrum.res.in

Printed at: Rakmo Press Pvt. Ltd., C-59, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi - 110020